

₹3.00

अपनी पहली यात्रा के दौरान गुरुवार को पटना में मेगा रोड शो किया।
ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुरुवार को श्री मोदी ने बिहार की अपनी पहली यात्रा के दौरान पटना हवाईअड्डे पर नवनिर्मित टर्मिनल का उद्घाटन किया और बिहटा हवाईअड्डे के नए सिविल एन्क्लेव का शिलान्यास भी किया। **शेष पेज 11 पर**

शेष पेज 11 पर

अपनी पहली यात्रा के दौरान गुरुवार को पटना में मेगा रोड शो किया।
ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुरुवार को श्री मोदी ने बिहार की अपनी पहली यात्रा के दौरान पटना हवाईअड्डे पर नवनिर्मित टर्मिनल का उद्घाटन किया और बिहटा हवाईअड्डे के नए सिविल एन्क्लेव का शिलान्यास भी किया। **शेष पेज 11 पर**

नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी टास्क फोर्स का गठन करें: राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में गुरुवार को राज भवन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन एवं भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया। इसमें राष्ट्रीय सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के अनिल कोठारी सहित शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के अन्य अधिकारी एवं राज्य के सभी सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने भाग लिया। राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि स्वतंत्रता प्राप्त के बाद पहली बार एक ऐसी शिक्षा नीति बनाई गई है, जो भारत की प्रकृति, संस्कृति, भाषाई विविधता और विकास यात्रा को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। यह नीति केवल शिक्षा सुधार का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि भारत को 'ज्ञान की महाशक्ति' बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह नीति प्रधानमंत्री



नरेन्द्र मोदी के 'शिक्षा से विकास और कौशल से आत्मनिर्भरता' के विज़न को मूर्त रूप देती है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य की उच्च शिक्षा की स्थिति में सुधार लाने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हूं। यदि सभी कुलपति साथ दें, विश्वास है कि झारखंड उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक अनुकरणीय राज्य बन सकता है। वे उच्च शिक्षा में सुधार के लिए हर समय उपलब्ध हैं। अब समय है कि हम समस्याओं पर नहीं, समाधानों पर चर्चा करें और ठोस कदम उठाएं।

राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों से कहा कि वे नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए प्रभावी टास्क फोर्स का गठन करें, नियमित समीक्षा बैठकें और नीति के विभिन्न पहलुओं पर कार्यशालाओं का आयोजन करें। साथ ही विद्यार्थियों को नीति के लाभों से अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान, व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति छात्रों को रटंत प्रणाली से बाहर निकालते हुए नवाचार, कौशल और व्यावहारिक ज्ञान

की ओर अग्रसर करती है।

राज्यपाल ने कहा कि प्राचीन भारत कभी संपूर्ण विश्व के लिए शिक्षा का प्रमुख केन्द्र हुआ करता था। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला जैसे प्राचीन भारत के विश्वस्तरीय संस्थानों ने शिक्षण एवं शोध के उच्च प्रतिमान स्थापित किए। भारतीय विद्वानों ने गणित, खगोल, धातु, चिकित्सा और योग जैसे क्षेत्रों में संसार को अनुपम योगदान दिया है। भारतीय ज्ञान परंपरा ने सदियों से न केवल भारत, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को प्रोत्साहित किया है। झारखंड को एनूकेशन हब के रूप में विकसित करने का आह्वान करते हुये उन्होंने कहा कि राज्य में एक ऐसी शैक्षणिक संस्कृति विकसित की जानी चाहिए, जहां देशभर के विद्यार्थी अध्ययन के लिए आकर्षित हों। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय आपस में संवाद बनाएं, ताकि जहां किसी संस्थान में नीति के बेहतर क्रियान्वयन के

उदाहरण हैं, उन्हें अन्य संस्थानों में भी लागू किया जा सके। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए विस्तृत नहीं, प्रभावी टास्क फोर्स के गठन के लिए कहा। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों से दीक्षांत समारोह में पूर्ववर्ती औपनिवेशिक परिधान के स्थान पर भारतीय परिधान को अपनाने की भी अपील की। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव अनिल कोठारी ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए क्रियान्वयन समिति (टास्क फोर्स) का पुनर्गठन करें, महाविद्यालयों के कुछ प्राचार्य को भी इसमें रखें तथा विद्यार्थियों का भी टास्क फोर्स हो। क्योंकि यह नीति अंततः विद्यार्थियों के हित में है। उन्होंने यह भी कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के हर प्रावधान से सभी शिक्षकों और प्रशासनिक पदाधिकारियों को भलीभांति अवगत होना चाहिए, तभी उसका वास्तविक लाभ विद्यार्थियों तक पहुंचेगा।

न्यूज़ बॉक्स

प्रवीण पुष्कर ने ग्रामीण एसपी के रूप में संभाला कार्यभार



रांची। आईपीएस अधिकारी प्रवीण पुष्कर ने रांची के ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के रूप में गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखना और पुलिसिंग को अधिक संवेदनशील बनाना होगा।

वित्त आयोग की बैठक में आजसू से देवशरण भगत व प्रवीण भाग लेंगे

रांची। 16 वें वित्त आयोग की कल राजनीतिक दलों के साथ बैठक होने वाली है, जिसमें आजसू पार्टी की ओर से मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत तथा वरिष्ठ नेता प्रवीण प्रभाकर बैठक में भाग लेंगे। पार्टी सुप्रिो सुदेश महतो के निर्देश पर केंद्रीय प्रधान महासचिव एवं पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने वित्त मंत्रालय के संयुक्त सचिव को सूचित किया है कि बैठक के लिए डॉ भगत एवं श्री प्रभाकर अधिकृत किए गए हैं। बैठक में आजसू पार्टी राज्य सरकार की नकामी को मुद्दा बनाएगी तथा केंद्र के हस्तक्षेप की मांग करेगी। आजसू पार्टी का मानना है कि राज्य सरकार विकास के मुद्दे पर गंभीर नहीं है और विकास योजनाओं का पैसा लोक लुभावन योजनाओं में डायवर्ट किया जा रहा है। श्री सहिस ने कहा कि आजसू ने संघर्ष कर अलग राज्य बनवाया, लेकिन वर्तमान सरकार भ्रष्टाचार में आकंट डूबी हुई है।

सेक्टर-2 में हुआ दो दिवसीय समर कैंप, बच्चों ने दिखाया जोश



नवीन मेल संवाददाता

रांची। सेक्टर-2 गार्डन में गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों को रचनात्मकता, मनोरंजन और सीख का अद्भुत संगम देने के उद्देश्य से 27 व 28 मई को समर कैंप का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लगभग 40 से 45 बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कैंप में बच्चों को अवेकस और वैदिक मैथ्स की बुनियादी जानकारी दी गई जिससे उनकी गणना क्षमता, ध्यान और मानसिक विकास को गति मिली। साथ ही ब्रेन जिम, ब्रेन गेम्स, ड्राइंग प्रतियोगिता, डांस सेशन, और बेहद रोमांचक ट्रेजर हंट जैसी गतिविधियों

ने बच्चों के अनुभव को और भी आनंददायक बना दिया। हर गतिविधि का उद्देश्य था बच्चों को खेल-खेल में सोचने, समझने, रचनात्मक बनने और आत्मविश्वासी बनाने की प्रेरणा देना। बच्चे दिनभर बेहद जोश और ऊर्जा के साथ सभी सेशन में भाग लेते नजर आए। उनकी मुस्कान और भागीदारी ने कार्यक्रम को सफल ही नहीं बल्कि बेदाग बना दिया। कार्यक्रम की संचालिका वीणा देवांगन और आरती कुमारी ने पूरे समर कैंप को उत्कृष्ट रूप से निर्देशित किया। उनका उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं बल्कि बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट और बौद्धिक विकास को सही दिशा देना था, जिसमें वे पूर्णतः सफल रहीं।

किसानों के हित में एमएसपी वृद्धि में लिए गए फैसले स्वागतयोग्य : पवन साहू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन साहू ने केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हित में एमएसपी (मिनिमम सपोर्ट प्राइस) में वृद्धि के लिए, लिए गए फैसले को स्वागत किया है। पवन साहू ने इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव को धन्यवाद ज्ञापित किया है। पवन साहू ने कहा कि खरीफ की खेती शुरू होने से पहले केंद्र सरकार ने किसानों के पक्ष में बड़ा फैसला लिया है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में 28 मई को वर्ष 2025- 26 के खरीफ सत्र के लिए 14 फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी किया है। जिसमें धान, कपास, सोयाबीन, अरहर, मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, तिल एवं रामतिल शामिल है। पवन साहू ने कहा कि धान की नई एमएसपी 2369 रुपए तय



की गई है, जो पिछली एमएसपी से 69 रुपया ज्यादा है। इसकी ए ग्रेड व सामान्य धान की एमएसपी (MSP) 23,89 कर दी गई है। कपास की नई एमएसपी 77,10 रुपए तय की गई है, इसकी दूसरी किस्म की नई एमएसपी 81,10 रुपए कर दी गई है। जो पहले से 589 रुपए ज्यादा है। दालों में अरहर का एमएसपी 450 रुपए बढ़कर 8,000 प्रति किंवंतल कर दिया गया है। जबकि उड़द का एमएसपी 400 बढ़ाकर 78,00 रुपए और मूंग का एमएसपी 86 रुपए बढ़ाकर 87,68

रुपए प्रति किंवंतल कर दिया गया है। नई एमएसपी से सरकार पर 2 (दो) लाख 7 (सात) हजार करोड़ रुपए का बोझ पड़ेगा। यह पिछले फसल सीजन की तुलना में 7 (सात) हजार करोड़ रुपए ज्यादा है। पवन साहू जी ने कहा कि एमएसपी फसल की लागत से कम से कम 50% प्रतिशत ज्यादा हो, इस बात का ध्यान रखा गया है। कहा कि 10-11 वर्षों में खरीफ फसलों के लिए एमएसपी में भारी बढ़ोतरी की गई है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से अब किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण ऋण प्रणाली को सशक्त बनाने के साथ ही कृषि विकास को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। कृषि कार्य के लिए केसीसी पर 3 (तीन) लाख तक कर्ज लेने पर 7% (सात) प्रतिशत ब्याज का प्रावधान है। समग्र पर भुगतान करने पर 3% (तीन) प्रतिशत की छूट किसानों को सीधे दी जाएगी। जिससे प्रभावी ब्याज दर सिर्फ 4% (चार) प्रतिशत देय होगी।

एनसीएसटी ने अधिकारियों की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सदस्य डा. आशा लकड़ा ने अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सिरमटोली-मेकान फ्लाईओवर के रैंप विवाद को लेकर आयोग की ओर से पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार, उपयुक्त मंजूनाथ भजंत्री व रांची नगर निगम के प्रशासक संदीप सिंह को समन जारी कर गुरुवार को नई दिल्ली स्थित आयोग के कार्यालय में संबंधित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने के लिए समन जारी किया गया था, लेकिन निर्धारित तिथि पर संबंधित अधिकारी एनसीएसटी कार्यालय नहीं पहुंचे। पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने निर्धारित तिथि से एक दिन पहले 28 मई को एनसीएसटी के सचिव को ई-मेल के माध्यम से आयोग के समक्ष उपस्थित होने में अपनी असमर्थता जताई। एनसीएसटी की सदस्य डा. आशा लकड़ा ने कहा कि



राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग एक संवैधानिक संस्था है। आयोग की ओर से पूर्व निर्धारित तिथि के तहत आदिवासी समाज के लोग 28 मई को ही दिल्ली पहुंच चुके थे, लेकिन निर्धारित तिथि पर झारखंड के अधिकारियों के नहीं पहुंचने के कारण संबंधित मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। पूर्व में आयोग की ओर से इस मामले को लेकर 13 मई को राज्य सरकार को बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन 12 मई को अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग विभाग के सचिव कृपानंद झा ने पत्र के माध्यम से सूचित कर दिया कि अपरिहार्य कारणों से 13 मई को बैठक आयोजित नहीं की जा सकती।

राजकुमार मेहता ने जामताड़ा एसपी के रूप में किया पदभार ग्रहण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य सरकार की ओर से बड़े पैमाने पर आईपीएस पदाधिकारियों का फेरबदल किया गया, जिसके तहत जामताड़ा में राजकुमार मेहता नए एसपी के रूप में पदस्थापित हुए हैं। इस दौरान उन्होंने अपराधियों को खुली चेतावनी दी है कि जिस प्रकार से जामताड़ा का नाम एक अलग तरीके से पूरे देश में चर्चित किया गया है उस छवि को जामताड़ा पुलिस सुधारेगी। वहीं जामताड़ा पुलिस जनता के साथ बेहतर संबंध स्थापित कर जिले में अपराध नियंत्रित करने की दिशा में काम करेगी।

● **राजकुमार मेहता ने साल 2023 में सिटी एसपी के रूप में किया था पदभार ग्रहण** राजकुमार मेहता ने राजधानी रांची के एसपी के रूप में 10 सितंबर 2023 को अपना पदभार संभाला था और 27 मई 2025 तक अपने लंबे कार्यकाल में उन्होंने कई अपराधिक



मामलों को लेकर मुस्तीदी के साथ सभी मामलों का खुलासा करने में सफलता पाई। उन्होंने खास तौर पर हत्या, चैन छीनताई, नशाखोरी, ब्राउन शुगर के खिलाफ बेहतर काम किया। उन्होंने नशाखोरों, चैन स्नैचरों को जेल भेजा, लोकसभा और विधानसभा चुनाव बेहतर तरीके से संपन्न कराने के लिए अपने क्षेत्र के करीब बीस से अधिक बदमाशों पर सीसीए एक्ट लगाए और तडीपार किया। साइबर क्राइम जैसे मामलों का उद्भेदन किया। देह व्यापार से जुड़े मामलों का खुलासा किया और

चालीस से अधिक युवतियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा। राजकुमार मेहता ने हमेशा समाजिक कार्यों में अपना योगदान दिया। उन्होंने अपने कार्यकाल में 105 जरूरतमंद युवतियों को सामूहिक विवाह संपन्न कराया जो आम जनता के बीच काफी सराहनीय साबित हुआ। वहीं पंरेशन कर रहे लोगों के खिलाफ कार्यवाई की। हाल ही में मेकन फ्लाईओवर निर्माण का रैंप को लेकर कुछ आदिवासी समुदायों के द्वारा विरोध किया जा रहा था।

बाबूलाल मरांडी ने एसीबी अधिकारियों से किया आग्रह, कहा शराब घोटाले में एसीबी सच उजागर करना चाहती है तो विनय चौबे से पूछे महत्वपूर्ण सवाल

● बाबूलाल मरांडी ने दी 8 सवालों की सूची

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शराब घोटाले की एसीबी जांच पर फिर सवाल उठाए। श्री मरांडी ने कहा कि शराब घोटाला मामले में जेल में बंद पूर्व उत्पाद सचिव विनय चौबे से दो दिनों के रिमांड पर एसीबी पूछताछ कर रही है। अगर इरादा सच में सच्चाई जानने का और घोटाले की तह तक जाने का हो तो उनसे ये सवाल जरूर पूछे जाने चाहिए। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से पहले जो पत्र मैंने मुख्यमंत्री जी को लिखा था, क्या वो आपको प्राप्त हुआ? अगर मिला, तो क्या उस पत्र को आपने पढ़ा भी? या सिर्फ अलमारी में रख दिया गया? यदि पढ़ा, तो उस पर अपना क्या करवाई की? क्या आपके पास मुख्यमंत्री कार्यालय से कोई निर्देश आया उस पत्र के संबंध में?



जब झारखंड के विधायक रायपुर भ्रमण पर गए थे, तो क्या वहाँ की व्यवस्था और गाड़ियों में भरकर उस होटल में शराब पहुंचवाने के लिये आपकी ओर से किसके आदेश पर किसी को कहा गया था? उस दौरान रायपुर के किन-किन लोगों से आपकी बातचीत हुई थी? क्या मार्शन सिक्विरिटोज और वृष्टि आतिथ्य जैसी कंपनियों का चुनाव मुख्यमंत्री/मुख्यमंत्री कार्यालय के हस्तक्षेप के बिना संभव था? मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भूमिका इस पूरे घोटाले में कितनी रही और छत्तीसगढ़ श्रृंङ्खिकेट आगमन से जो काली कमाई हुई उसमें मुख्यमंत्री की कितने की हिस्सेदारी थी?

कोविड संक्रमण को लेकर जिला प्रशासन ने जारी किया परामर्श

कोरोना के हल्के लक्षण वाले लोगों को घर पर ही आइसोलेट रहने की सलाह

नवीन मेल संवाददाता। रांची। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला प्रशासन ने रांचीकराजियों के लिए सामान्य परामर्श जारी किया है। अगर आप भीड़-आवाज वाली जगह पर ही या बहती नालों में, गले में खराश, सिरदर्द या बुखार जैसे लक्षण हैं, तो मास्क पहनना जरूरी है। 2023 एम्स/आईसीएमएआर-कोविड-19 नेशनल टास्क फोर्स के दिशा-निर्देशों के अनुसार लहके लक्षण वाले लोगों को घर पर ही आइसोलेट रहना चाहिए। यदि आपको फ्लू का कोई लक्षण है तो घर पर आपको शारीरिक दूरी बनाए रखनी चाहिए। मास्क पहनना चाहिए और हाथों की साफ-सफाई पर ध्यान देना चाहिए। रांची के उपमुख्य सह जिला रक्षाधिकारियों ने जूनूनतु भर्तरी ने कोरोना से बचाव के लिए संबंधित अधिकारियों को आरवधक तैयारी करने का निर्देश दिया है।

ऐसे लक्षण दिखें तो डॉक्टर से सलाह लें

हल्के नामलों को अमृतौर पर आराम, तल पदाथ और लभणों से राहत के लिए दवाथ से प्रबंधित किया जा सकता है। हाइड्रोटेड रेड, अपने पामामान और ऑक्सीजन के स्तर की निगरानी करें और अपने डॉक्टर के संपर्क में रहें। जब तक बैक्टीरिया के सम्मरण का स्पष्ट संकेत न हो, तब तक एंटीबायोटिक्स को उपयोग न करें। अगर आपको सांस लेने में तकलीफ हो, आपको ऑक्सीजन स्तर 93% या उससे कम हो जाए या आपको तेज बुखार हो या पंच दिनों से ज्यादा समय तक सांसी हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।

ये बरतें सावधानी

60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग या हृदय रोग, मधुमेह, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली, तपेदिक (टीबी), फेफड़े (लंग्स), गुर्दे या लिवर की बीमारी या मोटापे से पीड़ित या वे लोग जिन्होंने टीका नहीं लगाया है, उन्हें ज्यादा सावधान रहना चाहिए।

मैट्रिक की जिला टॉपर तहरीन को डीसी ने किया सम्मानित

रात्री...।आगे मैं इजीनियरिंग करना चाहती हूँ... इसके बाद यूपीएससी की तैयारी कर आइएएस बनना चाहती हूँ। अविरोधवास से भरे इस जवाब के बाद सबके चेहरे पर हल्की सी मुस्कान आ जाती है...तो इसलिए कि ये जवाब एक सैनियर आईएएस के सवाल के बाद आया था कि ...आगे क्या करना चाहते हो बेटी...? सवाल उपायुक्त मंजूनाथ भजनजी का था और जवाब... रांची की बेटी तहरीन फातिमा का। जिसने मैट्रिक जैक बोर्ड में रांची जिला में पहला स्थान प्राप्त किया है। इस शानदार उपलब्धि पर जिला प्रशासन द्वारा तहरीन और उसके माता-पिता को सम्मानित किया गया। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री मंजूनाथ भजनजी ने तहरीन को मोमेंटो दिया और उसके माता पिता को शॉल ओढ़कर सम्मानित किया। एक सामान्य परिवार से आते हुए तहरीन फातिमा की उपलब्धि को उपायुक्त मंजूनाथ भजनजी ने सभी के लिए गर्व की बात कही। तहरीन की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने माता-पिता को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि संधर्ष के साथ अपनी बेटी को पढ़ाओ और आगे बढ़ाओ ही वास्तव के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' है। इस दौरान तहरीन के स्कूल की वाइस प्रिंसिपल सिस्टर विक्टोरिया, शिक्षिका सिस्टर सुनीता लकड़ा एवं शिक्षक एथोनी तिगा भी उपस्थित थे। उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजनजी द्वारा सभी के प्रयासों की सराहना की गयी।



जब नम हो गई माता-पिता की आंखें

तहरीफ नामिमा ने मैट्रिक में 97.4 प्रतिशत के साथ जिला में पहला और राज्य में पांचवां स्थान हासिल किया है। तहरीफ की सफलता में पिता अब्दुल हासमान का सघर्ष काफी बड़ा है, जो ठेले पर कपड़ा बेचने का काम करते हैं। बेटी को जब उपायुक श्री मंगुनाथ सम्मानित कर रहे थे तब माता-पिता की आँखें नमो हो गयीं। उपायुक श्री मंगुनाथ मानजी ने कहा कि अपनी बेटी के होसले को उड़ान दें, उसे आगे पहारायें। उपायुक द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री विनय कुमार एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को तहरीफ के उज्जल भविष्य के लिए आवश्यक दिशान्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षित कर सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने की माननीय मुख्यमंत्री के दूरदर्शी सोच को साकार करने के लिए राज्य सरकार की शिक्षण योजनाओं का लाभ बेटियों को तब पहुंचाना सुनिश्चित करेंगे।

लाल विजय की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई



रांची। कोरोना पीड़ित फिल्म निर्माता-निदेशक लाल विजय शर्मा-शिव स्वस्थ हो गए हैं। उन्होंने प्रेस विज्ञापन जारी कर कहा कि मैं अस्पताल से पूरा तरह स्वस्थ होकर आने आ गया हूँ। कोविड की चपेट में आने के बाद अब मेरी बीबीयत बिल्कुल ठीक है। मेरी ताजा जांच रिपोर्ट भी कोविड नोर्गेटिव आई है। धीरे-धीरे, इस समय जो वेरिफाई हो चुके हैं, वह पहले की तरह घातक नहीं है, और ऐसे में घबराकर अस्पताल में भर्ती होना आवश्यक नहीं लगता। हालांकि, मुझे से रांची आने के दौरान मुझे कुछ स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिसकी वजह से डॉक्टरों ने मुझे निगरानी में रखने का निर्णय लिया था। कोरोना से अब डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन सावधानी बरतना आज भी उतना ही जरूरी है।

लाइट हाउस प्रोजेक्ट: किस्त भुगतान में देरी पर रांची नगर निगम सख्त



नवीन मेल संवाददाता । रांची

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत लाइट हाउस प्रोजेक्ट (LHP) के अंतर्गत रांची नगर निगम द्वारा धुर्वा के आनी क्षेत्र में कुल 1008 प्लेटों का निर्माण कराया गया है। ये प्लेट पहले ही लाभुकों का आवंटित किए जा चुके हैं। लेकिन अब यह परियोजना एक नई चुनौती का सामना कर रही है, क्योंकि 308 लाभुकों ने अभी तक पूर्ण किस्त का भुगतान नहीं किया है।

2 जून 2025 तक करें भुगतान
इस गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची-
नगर निगम द्वारा एक आम सूचन-
प्रकाशित की गई है। साथ ही निगम-
द्वारा लाभुकों को चेतावनी दी गयी है कि जिन लाभुकों ने अभी तक
आवास की पूरी किस्त का भुगतान नहीं
किया है, वे 2 जून 2025
तक भुगतान कर दें। ऐसा न करने

की स्थिति में निगम उनके आवास आवंटन को रद्द करने की कार्यवाही करेगी।

रांची नगर निगम में अहम बैठक

इसी मुद्दे को लेकर गुगुवार को रांची नगर निगम कार्यालय में उप-प्रशासक गौतम प्रसाद साहू की अध्यक्षता में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा के पदाधिकारी एवं केनरा बैंक, डोरंडा शाखा तथा एचडीएफसी बैंक, कडरू शाखा के ऋण अनुभाग से संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बैंकों के अधिकारी भी रहे मौजूद : इस बैठक में उप-प्रशासक ने दोनों बैंकों को निर्देशित किया कि जो लाभुक पहले से ऋण के लिए आवेदन दे चुके हैं या जो नए आवेदन दे रहे हैं, उनके मामलों को प्राथमिकता के आधार

पर शीघ्र निपटायी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आवास ऋण की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी से लाभुकों का आवंटन रद्द होने की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिससे हर हाल में टालना जरूरी है।

निगम के अधिकारियों ने दो दिनांकई विशा निर्देश : बैंकों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे लाभुकों को प्रक्रिया की जानकारी दें और त्वरित ऋण स्वीकृति सुनिश्चित करें। निगम ने लाभुकों से अपील की है कि वे शीघ्र संश्लिष्ट बाकी से संपर्क कर ऋण स्वीकृति प्राप्त करें और किस्त की शेष राशि कर भुगतान समय सीमा के भीतर करें।

ऊपस्थित : इस बैठक में सहायक प्रशासक चन्द्रदीप कुमार, मुकेश कुमार, नगर प्रबंधक तथा प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।



आरपीएफ ने दो नाबालिग बच्चों का किया रेस्क्यू

नवीन मेल संवाददाता । रांची

रेल मंडल में मंडल सुरक्षा आयुक्त, पवन कुमार को निर्देश पर आरपीएफ ने बुधवार को दो नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू कर अभिभावकों को सुचना दी गई। दरअसल मंडल सुरक्षा आयुक्त, पवन कुमार को सुचना मिली कि दो नाबालिग बालक, जो अपने घर से भाग गए, रथे रथे रेलवे स्टेशन के असापास देखे गए हैं। प्राप्त सूचना के आधार पर आरपीएफ पोस्ट रथे रथे के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा “नन्हे परिवेश” टीम के सहयोग से खोज अभियान चलाया गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों बच्चों को रेलवे स्टेशन के सर्किलेटिंग एरिया से सक्रयल खोजा

गया। पृथुताळ के दौरान बालकों ने अपनी पहचान बिजुं कुमार - 15 वर्ष, अदित्य सैनी, उम्र - 15 वर्ष बताया। दोनों बच्चे बिहार के वैशाली के रहने वाले हैं। बच्चों ने बताया कि उन्हें माता-पिता ने डांट लगाई थी वहाँ, बच्चों ने बताया फ़ोन में रील देखने से मना कर अभिभावकों ने डांटने फटकार लगाई थी। जिसके बाद वे घर से भाग आए और रांची आ पहुँच गए। दोनों नाबालिगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर उनके अभिभावकों को सूचना दी गई। सभी आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद बालकों को चाइड्रललाइन रांची भेज दिया गया, ताकि उनके आगे की देखभाल की जा सके।

भारतीय ज्ञान परंपरा प्राचीनतम और शाश्वत है : डॉ जंग बहादुर



नवीन मेल संवाददाता । रांची

विनोबा भावे विश्वविद्यालय
हजारीबाग के हिंदी विभाग के
संजीवन से कुलाधिपति व्याख्यान
मौला के तत्वावधान में एक
दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का
आयोजन हुआ। मुख्य वक्ता के
रूप में रांची विश्वविद्यालय के पूर्व
हिंदी विभागाध्यक्ष डा जंग बहादुर
पांडेय शामिल हुए। मौके पर उन्होंने
कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा वैदिक
काल से प्रवहमान है और आज तक
अन्यत्र रूप में प्रवाहित है। भारतीय
परंपरा में ज्ञान सर्वोपरि है। आचार्य
देवो भव मातु , देवो भव,पितु देवो
भव अतिथि देवो भव की अनुप्रा-
न

सुभाई पड़ती है। वसुधैव कुटुम्बकम्
कर्म की भावना भारतीय ज्ञान परंपरा
का मूल स्रोत है। प्राचीन भारतीय ज्ञान
ज्ञान परम्परा मूल्य परक और
नैतिकता परक थी और भारत इस
ज्ञान परंपरा की बढ़तीत विश्व गुप्त
की संज्ञा से विभूषित था। आज की
शिक्षा व्यावस्थित और रोजगार
परक हो गई है। भारतीय ज्ञान
परंपरा महर्षि वाल्मीकि, वेद व्यास
भवभूति कालिदास, पाणिनि ,सूर
तुलसी कबीर, रामदास से लेकर
राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त और
राष्ट्र कवि रामधारी सिंह दिनकर
तक की कृतियों में प्रवहमान है और
पतक पावनी गंगा की तरह आगे ब
प्रवहमान रहेगी।

होटल रमादा बाय विन्धम का आज उद्घाटन करेंगे संजय सेठ व अर्जुन मुंडा

माताजी की प्रेरणा से शुद्ध शाकाहारी होटल बनाई : पवन बजाज

नवीन मेल संवाददाता । रांची

5:00 बजे केंद्रीय राक्षा राज्य मंत्री संजय सक्सेना और पूर्व केंद्रीय मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा संयुक्त रूप से करेंगे। यह जानकारी होटल रामदा बाय विन्ध्यम के एमडी पवन बजाज और निदेशक चंद्रेश बजाज ने गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एमडी पवन बजाज ने बताया कि रामदा बाय विन्ध्यम ग्रुप का देश विदेश में 9300 से अधिक होटल है। रामदा बाय विन्ध्यम अब रांची वासियों की सुविधा के लिए होटल रामदा बाय विन्ध्यम खोल रहा है। लगभग 50 हजार वार्षिक रूप में फैले इस होटल में 67 बड़े डीलक्स सूट प्रीमियम रूम अत्याधुनिक सुविधा के साथ कमरे उपलब्ध हैं। वहाँ, दो बड़े हॉल हैं, जो शादी-विवाह, पार्टी, सामाजिक समारोह, सैमिनार के लिए उपयोगी होंगे। इसके अलावा, पाँच हजार स्क्वायर फीट का वाताकुलित हॉल के साथ शुद्ध शाकाहारी वाले होटल में लोगों को विन्ध्यन प्रकार के व्यंजनों को परोसा जाएगा। इस होटल के रेस्टोरेंट में 150 से अधिक लोग बैठ सकते हैं। यहाँ प्राकृतिक की पूर्ण सुविधा का ख्याल रखा जाएगा। साथ ही बेकरी



मेरा प्रयास शहर का नाम बढ़े और लोगों को सुविधाएं उपलब्ध हो

बाहर से आए लोगों को होटलों की कमी महसूस होती है। ऐसे में सरकार भी होटलों को लाने का प्रयास कर रही है। मेरा प्रयास है कि शहर का नाम बढ़े और लोगों को सुविधाएं उपलब्ध हों इसलिए मैंने यह होटल बनाई। यह शेनल ब्रांड की होटल है। होटल की फ्रेंचाइजी रमादा होटल से लिया, यहां से फ्रेंचाइजी इसलिए लिया कि रमादा अमेरिकन कंपनी है और विश्व के बड़े होटलों में से एक है। रमादा की पूरी दुनिया में 2300 होटल हैं हिन्दुस्तान में यह 70 वीं होटल है। झारखंड में इनकी एक ही होटल जमशेदपुर में थी अब रांची में हुई है। इस होटल में 67 कमरे हैं, 5000 वर्ग फीट और 24 फीट उंचाई का बैकड्रॉल है। लोगों के हेल्थ को ध्यान में रखकर हेल्थ फ्लोर है जहां देश-विदेश के अनेक फल और जूस उपलब्ध रहेंगे एक स्काई वार्किंग ट्रैक बनाया है जो इस बिल्डिंग के चारों तरफ ओपन टू स्काई है। इसका चार चक्कर लगाने से एक किलोमीटर की वार्किंग हो जाती है। एक-एक कमरा चार से सावायर फीट की है, इनसे बड़े कमरे सामान्यतः होटलों में नहीं होते हैं। यह पारिवारिक और श्रद्धा शाकाहारी होटल है। हम लोगों के परिवार के भी भाना शुद्ध शाकाहारी भोजन की है इसलिए अपनी माताजी की प्रेरणा से शुद्ध शाकाहारी होटल बनाई है।

की भी सुविधा उपलब्ध है। होटल की ओर से ग्राहकों का ख्याल रखते हुए बर्थडे पार्टी, किटी पार्टी, सालगिरह आदि के लिए स्पेशल डिश की भी व्यवस्था रहेगी। लोगों को घर जैसा माहौल

मिलेगा। यहां एक साथ 150 गाड़ी पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। जिम, योगा सेंटर, ओपन एरिया, वॉकिंग ट्रैक आदि की भी सुविधा उपलब्ध कराया गया है।



TRA's Brand Trust Report 2024 *मूल्यांकन एवं उसकी ससिडियरी कंपनियां।

चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधि मंडल ने उपायुक्त से की शिष्टाचार मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग फेडरेशन ऑफ़ हजारीबाग चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधि मंडल हजारीबाग में पदस्थापित नए उपयुक्त से शिष्टाचार मुलाकात की एवं हजारीबाग में उनका पुष्प गुच्छ देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुलाकात के दौरान हजारीबाग में फल फूल रहे नशे के कारोबार 140 नंबर थाना के रसीद में हो रही परेशानी एवं अन्य ज्वलंत मुद्दों से उन्हें अवगत कराया गया। जिसे



उन्होंने ध्यान से सुना और व्यापारियों की समस्याओं पर हर संभव सहयोग देने का वचन दिया। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर के उपाध्यक्ष सुबोध कुमार,

नीरज अग्रवाल, सचिव राकेश ठाकुर ,सह सचिव तारिक अहमद राजा एवं चैंबर के वरिष्ठ सदस्य धनंजय गुप्ता शामिल थे।

विकसित कृषि संकल्प अभियान की हुई शुरुआत

29 मई से 12 जून तक कृषि वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की टीम का होगा क्षेत्र दौरा



बरही। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज 29 मई से उड़ीसा के जगन्नाथपुरी से विकसित कृषि संकल्प अभियान की शुरुआत पूरे देश में किया है। इसके तहत देश के कृषि वैज्ञानिक व विशेषज्ञ गांव गांव घूम कर किसानों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याओं को समाधान कर उन्नत कृषि तकनीक के माध्यम से खेती करने की जानकारी देंगे, जिससे किसानों के आय वृद्धि के साथ देश में कृषि की उत्पादकता बढ़ेगी। जो देश को आम निर्भर भारत बनाने में मदद करेगा, इसी के तहत बीटीएम राजेश कुमार, एटीएम नीलम सुजाता डुंगडुंग आईएआरआई के कृषि वैज्ञानिक डॉ निरंजन कुमार डॉ काशीनाथ, राजेंद्र मीना व दर्शन प्रसाद की टीम कोल्हुआकला पहुंची. टीम ने 121 किसानों के समूह से संपर्क किया और उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया. किसानों को उन्नत खेती और उत्तम पैदावार के लिए विभिन्न सुझाव दिए गए. साथ ही वैज्ञानिक विधि से कृषि करने पर जोर दिया गया. जिससे किसान कम खर्च में अधिकाधिक लाभ ले सकते हैं. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला किसान भी शामिल थीं. किसानों ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से उन लोगों को कृषि कार्य करने में सहूलियत होगी, जिससे अधिक पैदावार और लाभ लिया जा सकेगा.

जैक 10वीं जिला टॉपर अमृता गुप्ता को क्षेत्र में मिल रहा सम्मान

रामगढ़। सोनडीहा निवासी अमृता गुप्ता, पिता भीम प्रसाद गुप्ता, माता चंपा देवी ने जैक की ओर से आयोजित मैट्रिक परीक्षा में 476 अंक लाकर रामगढ़ जिला टॉपर होने का गौरव प्राप्त किया है। इस मौके पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केन्द्रीय संगठन महामंत्री रवि कुमार महतो ने अमृता गुप्ता के घर पहुंचकर उनका सम्मान करते हुए शुभकामनाएं दीं। अमृता ने बताया कि मैं बहुत ही गरीब परिवार से हूं। मेरे घर की आर्थिक स्थिति को देखकर नहीं लगता है कि मैं अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हो सकती हूं। मुझे भावी जीवन में अपनी पढ़ाई को सुचारु रखने हेतु संगठन का सहयोग व समर्थन चाहिए। जिसमें रवि महतो ने कहा कि आपका नामांकन आपके इच्छानुसार कॉलेज में मेरे माध्यम से की जाएगी। उन्होंने कहा कि कभी भी आर्थिक स्थिति की वजह से अपनी पढ़ाई की गतिमीमा को अवरुद्ध न करें। पढ़ाई के बीच में पैसा शब्द आना ही नहीं चाहिए आपको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न होती है जब तक हम संगठन आपके और आपके परिवार के साथ हैं। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के माध्यम से भी निःशुल्क जेपीएससी की कोटिंग क्लासेस संचालित होती है।

बीएड कॉलेज में संगोष्ठी का हुआ समापन

सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया गया



नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुकरीगढ़ा, लारी, रामगढ़ में गुरुवार को महाविद्यालय के आइक्यूएसी के तत्वावधान में टैटल फाउन्डेशन फॉर रिसर्च एंड एडुकेशन ट्रस्ट के सहयोग से दो दिवसीय बहुविषयक संगोष्ठी का समापन किया गया जिसमें मुख्य रूप से महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव संजय प्रभाकर, प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार उपाध्याय,

अतिथि डॉ. संज्ञा प्रसाद (प्राचार्य, चितरपुर कॉलेज चितरपुर, रामगढ़), सेमिनार समन्वयक आशेष आनन्द (सचिव, टीएफआर., रामगढ़), सेमिनार संयुक्त समन्वयक अंजली सिंह (ट्रस्टी, टीएफआर, रामगढ़), प्रबंध ट्रस्टी तारा शंकर अग्रवाल (टीएफआर, रामगढ़), डॉ. नेमघारी महतो (सं० शिक्षक, डीवीसी +2 उच्च विद्यालय, चन्द्रपुरा), सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता (प्रधानाचार्य, मनवा उच्च विद्यालय) शिक्षकगण, शोधकर्ता एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

आयोजित संगोष्ठी के दूसरे दिन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. संजय सिंह (सं० प्रा०, अर्थशास्त्र विभाग, रामगढ़ महिला महाविद्यालय, रामगढ़) ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ डॉ. राधाकृष्णन के चित्र पर दीप-प्रज्ज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर कुलगीत के साथ किया गया. तत्पश्चात सभी अतिथियों का सम्मान शॉल, मोमेन्टो एवं पौधा देकर किया गया। क्रमशः सभी अतिथियों ने बारी-बारी से राष्ट्रीय संगोष्ठी के विषय में विभिन्न उप-विषयों पर अपने-अपने विचार रखे। मंच का संचालन सहायक प्राध्यापक नयन कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया। बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में दस राज्यों के शोधकर्ताओं ने भाग लिया, कुछ प्रतिभागीयों ने ऑनलाइन मॉड के माध्यम से अपना आलोचन पढ़ा, बिहार एवं झारखण्ड आदि थे।

मुंबई में झारखंडी एकता संघ ने केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी का किया भव्य स्वागत

बरकट्टा। केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी का मुंबई पहुंचने पर झारखंडी एकता संघ ने पुष्पगुच्छ और अंग वस्त्र देकर भव्य स्वागत किया। साथ ही क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। संघ के लोगों ने झारखंडियों के लिए साप्ताहिक ट्रेन को दैनिक करने, बरकट्टा प्रसिद्ध धार्मिक पर्यटन स्थल सूर्यकुंड को पर्यटन के क्षेत्र में बढ़ावा देने और सलेवा जलाशय योजना जल्द पुरा कराने की मांग को रखा। वहीं मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि आप लोगों की समस्याओं को अतिशीघ्र समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही मुंबई में रह रहे झारखंड के लोगों का विशेष ख्याल रखा जाएगा। मौके पर झारखंडी एकता संघ के राष्ट्रीय सचिव विनोद प्रसाद, ठाणे प्रभारी मुन्नालाल कुमार, बिजनेस सेल्समैन कारू रजक, विश्वकर्मा पूजा समिति कोषाध्यक्ष कार्तिक प्रसाद समेत आदि लोग उपस्थित थे।



जिले में चल रहे विकास कार्यों की उपायुक्त ने की समीक्षा

सभी पंचायतों में पुस्तकालय खोलने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ जिले में चल रहे विकास कार्यों को लेकर गुरुवार को उपायुक्त रामगढ़ फेज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से संक्षिप्त परिचय प्राप्त किया। जिसके उपरान्त जिले में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी के क्रम में अधिकारियों द्वारा पीपीटी प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। बैठक के दौरान कक्ष में समीक्षा पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, सिविल सर्जन, समाज कल्याण पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा शाखा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला भू अर्जन



पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी विकास शाखा सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा पीपीटी के माध्यम से अपने-अपने कार्यालयों में चल रही योजनाओं व विकास कार्यों की जानकारी विस्तृत रूप से उपायुक्त को दी गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी पंचायतों में पुस्तकालय खोलने का निर्देश दिया। इसके लिए उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचल अधिकारियों को संयुक्त रूप से अपने-अपने क्षेत्र में स्थल चिन्हित करने एवं प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान

मनरेगा संबंधित कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने ज्यादा से ज्यादा मानव दिवस सृजित करने एवं लाभुकों को रोजगार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया वहीं उन्होंने लाभुकों को ससमय मानदेय का भुगतान करने का निर्देश दिया। लंबित योजनाओं की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने तीव्र गति से कार्य करते हुए योजनाओं को पूर्ण करने का निर्देश दिया वहीं उन्होंने योजनाओं में डुप्लीकेसी न होने देने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उपायुक्त ने अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर योजनाओं के तहत हो रहे

● आकस्मिक परिस्थितियों के लिए जिले के सभी क्षेत्रों में तैयार करें स्वास्थ्य मित्र, सीपीआर एवं फर्स्ट एड की इस्तेमाल करने का दे प्रशिक्षण

कार्यों का जायजा लेने एवं नियमित रूप से कार्य प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया। राजस्व संबंधित कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने नीलाम पत्र वादों के निष्पादन को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी को अपने स्तर से बैठक आयोजित कर कार्य करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। वही, स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त में सदर अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों सहित अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की ससमय उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया वहीं उन्होंने गंभीरता पूर्वक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

नौ दिवसीय शतचंडी प्राण प्रतिष्ठा शुरु विधायक ने कलश देकर यात्रा का किया शुभारंभ



बरही। गुरुवार से गौरियाकरमा पंचायत के गौरिया में नौ दिवसीय श्री श्री 1008 शतचंडी सह देवी प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का भव्य कलशयात्रा से शुरुआत हुई. कलश यात्रा में एक हजार से अधिक महिलाएं शामिल हुई. जिन्हे बतौर मुख्यातिथि स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव ने पवित्र कलश देकर रवाना किया. गाजे बाजे के साथ निकले कलशयात्रा में शामिल सभी कलश यात्री निचिंतपुर स्थित बराकर नदी से जल लेकर पूरे गांव का भ्रमण कर यत्र मंडप पहुंचे. जहां यज्ञाचार्य अरुण इंद्रगुरु की टीम ने सभी कलश को मंत्रोच्चारण के साथ यज्ञ मंडप में स्थापित करवाया. श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि महायज्ञ क्षेत्र के सुख, शक्ति और समृद्धि का प्रतीक है. इससे सभी नकरात्मक शक्तियों का नाश होता है. इस अवसर पर महायज्ञ समिति की ओर से विधायक सहित उपस्थित अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. कलश यात्रा में विधायक के साथ रमेश ठाकुर, रंजीत चंद्रवंशी, राजन ओम, प्रदुम सिंह, नागेश्वर यादव, भूपेंद्र यादव आदि मौजूद थे. कलश यात्रा सफल बनाने में महायज्ञ समिति के अध्यक्ष मनोज कुशवाहा, सचिव रामचन्द्र विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष प्रकाश पंडित, उपाध्यक्ष विनोद यादव, उपसचिव मनोज विश्वकर्मा सहित संरक्षक डॉ. विशेष्वर प्रसाद, मनोज यादव, विजय वर्मा, सुरेंद्र कुमार, सकलदेव पांडेय, राजेश कुमार, राजेश कुमार वर्मा, सवि यादव, कैलाश यादव, संतोष ठाकुर, विनय राणा, शिवकुमार राणा आदि ने महती भूमिका निभाई.

एजेकेएसएस बरका-सयाल शाखा कमेटी का हुआ पुनर्गठन



रामगढ़। अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ एटक जीएम यूनिट की बरका-सयाल शाखा कमेटी के पुनर्गठन को लेकर गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता शिवनंदन दास और संचालन कमलेश कुमार ने किया। इस बैठक में युनियन के बरका-सयाल क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा, क्षेत्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव राम, क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष गुरु दयाल ठाकुर, क्षेत्रीय सह सचिव एसएस डे, क्षेत्रीय वेलफेयर बोर्ड सदस्य कमलेश कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे। बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय सचिव संजय मिश्रा ने कहा कि कोल कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति

कोल प्रबंधन का रवैया उदासीन है, जिसे युनियन किसी भी सूत्र में बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने बताया कि पुनर्गठन को लेकर गुरुवार का आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। यह सम्मेलन कई मायनों में ऐतिहासिक होगा। श्री मिश्रा ने युनियन की ओर से साफ संकेत दिया है कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जून माह के बाद आंदोलन तेज किया जाएगा। बैठक में जीएम यूनिट की नई कमेटी का गठन किया गया। अध्यक्ष शिवनंदन दास, उपाध्यक्ष सुरेश खरवार, सुरेंद्र कुमार,साहिल कुमार और सह कोषाध्यक्ष कुश प्रसाद चुने गये।

स्मार्ट क्लास तो है दूर की बात स्कूल में खेल मैदान तक नहीं

गिद्दी। रेलीगढ़ा स्थित अनुग्रह नारायण सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय में खेल मैदान की समस्या बड़ी समस्या है। इसकी स्थापना 1963 में हुई है। तब इस विद्यालय में 8वीं से मैट्रिक तक की पढ़ाई होती थी। यहां 1279 छात्र पढ़ते हैं इनके लिए स्मार्ट क्लास दो दूर खेल के लिए मैदान तक नहीं है। विद्यालय दो कैंपस में चलता है। एक कैंपस में मध्य विद्यालय के कक्षा 1 से 8 तक और दूसरे कैंपस में कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई होती है। कुछ वर्ष पहले दोनों को मर्ज कर एक कर दिया गया है। हिन्दुस्तान के बोले रामगढ़ टीम से यहां के लोगों ने समस्याएं साझा की। अनुग्रह नारायण सिंह प्लस टू उच्च विद्यालय रेलीगढ़ा डाढ़ी प्रखंड में सबसे पुराना उच्च विद्यालय है। वर्ष 1963 में स्थापित इस विद्यालय को वर्तमान में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई के लिए जाना जाता है। इस विद्यालय में गिद्दी ए. रेलीगढ़ा, सुइयाडीह आदि गांव के सैकड़ों छात्र-छात्राएं पढ़ने आते हैं।

न्यूज बॉक्स

मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा



तिसरी। तिसरी प्रखंड के लोकाय में गुरुवार को मां भगवती प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश यात्रा निकाला गया. लोकाय थाने के समक्ष स्थित मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा की शुरुआत हुई. मुख्य मार्ग होते हुए ग्राम डेलिया के पास नदी तट पर पुजा अर्चना के पश्चात कलशों में जल भरा गया.जिसके बाद वापिस मंदिर प्रांगण आकर मंदिर का परीभ्रमण कर यह यात्रा समाप्त हुई. इस दौरान भक्ति गीतों व नारों से वातावरण गुंजायमान रहा. प्राण प्रतिष्ठा की शुरुआत बुधवार को ध्वजारोहण व कथा प्रवचन के साथ ही हो चुकि है.गुरुवार को कलश यात्रा निकाला गया,शुक्रवार को गांव भ्रमण,शनिवार को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न होना है.प्रतेक दिन संख्या में कथा प्रवचन होना है.वहीं रविवार को पूर्णाहुती,कथा प्रवचन व भंडारे के साथ ही इसका समापन हो जायेगा. इस पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पुरा इलाका भक्तिमय हो चुका है.आस पास के कई गांव समेत पुरे प्रखंड के लोग इसमें भाग ले रहे हैं.

मैट्रिक परीक्षा में कम नंबर लाने पर कर ती खुदकुशी,मां- बाप के अरमानों पर फगर पानी

बरकट्टा। बरवां गांव में एक विद्यार्थी ने फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर लिया है। ग्राम बरवां निवासी सागर कुमार 15 वर्ष, पिता छोटू प्रसाद का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। बताया जा रहा है कि सागर कुमार बुधवार 28 मई की रात खाना खाकर अपने कमरे में सोने चला गया था। गुरुवार की सुबह देर तक नहीं उठने पर घरवालों ने कमरा का दरवाजा खुलवाने का काफी प्रयास किया। अंदर से दरवाजा नहीं खोलने पर घरवालों ने किसी अनहोनी की आशंका के बाद दरवाजा को तोड़कर अंदर जाकर देखा कि सागर कुमार का शव फांसी के फंदे से मृत अवस्था में लटका हुआ है। घटना के बाद घरवालों का रो रोकर बुरा हाल है। सागर कुमार ने मैट्रिक परीक्षा में कम नंबर आने के बाद यह कदम उठा कर मां-बाप के सपने पर पानी फेर दिया।

जिप सदस्या प्रेरणा प्रिया के प्रयास से गांव में लगा ट्रांसफार्मर, खुशी की लहर



बरकट्टा। प्रखण्ड के शिलाडीह पंचायत अंतर्गत ग्राम लगानवां में 63 केवी ट्रांसफार्मर कुछ दिनों से खराब हो गया था। जिसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा जिला परिषद सदस्या प्रेरणा प्रिया को दी गई। तत्पश्चात उन्होंने बिजली विभाग के अधिकारियों से बात कर 100 केवी का ट्रांसफार्मर तत्काल उपलब्ध कराया। ट्रांसफार्मर मिलने एवं विधुत बहाल होने पर ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।इस कार्य के लिए लोगों ने जिप सदस्या को धन्यवाद ज्ञापित किया है।मौके पर सुरेंद्र राणा, बिंतोष मोदी, राजेंद्र मोदी, पंकज मोदी एवं अन्य ग्रामीणों उपस्थित थे।

+2 उच्च विद्यालय बेलकप्पी के छात्रों ने बोर्ड परीक्षा में किया शानदार प्रदर्शन, रौशन बने विद्यालय के टॉपर



बरकट्टा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत उत्कर्मित कन्या प्लस टू उच्च विद्यालय बेलकप्पी के छात्रों ने जैक द्वारा आयोजित मैट्रिक बोर्ड परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। विद्यालय के छात्र रोशन कुमार ने सर्वाधिक 467 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। ट्रांसफार्मर मिलने एवं विधुत बहाल होने पर ग्रामीणों में खुशी का माहौल है।इस कार्य के लिए लोगों ने जिप सदस्या को धन्यवाद ज्ञापित किया है।मौके पर सुरेंद्र राणा, बिंतोष मोदी, राजेंद्र मोदी, पंकज मोदी एवं अन्य ग्रामीणों उपस्थित थे।

कॉलेज में सर्टिफिकेट वितरण सह प्लेसमेंट ड्राइव का किया गया आयोजन

बरही। मुख्यमंत्री सारथी योजना अंतर्गत दीनदयाल उपाध्याय कोशल केंद्र योजना के तहत रामनारायण यादव मेमोरियल कॉलेज में सर्टिफिकेट वितरण सह प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया. कार्यक्रम पीपल ट्री चेंसर्स प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा आयोजित किए गए थे. जिसमें बतौर मुख्यातिथि हजारीबाग संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के जिला समन्वयक प्रकाश रंजन सहित दिलीप कुमार गुप्ता ऑपरेशन मैनेजर, प्लेसमेंट हेड अज्ञकार आलम, प्लेसमेंट मैनेजर बबलु कुमार, सेंटर मैनेजर राहुल कुमार सहित सेण्टर सदस्य शामिल हुए. प्लेसमेंट कार्यक्रम में एस पी एंप्रैल लिमिटेड तमिलनाडु , 2050 हेल्थकेयर रॉची, के के इंटरप्राइजेज बैंगलोर, सन ब्राइट मैनापावर सोल्युशन प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर , यजनाकी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड गुजरात और स्पार्क मिण्डा प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर ने भाग लिया. इस कैंपस में 270 प्रशिक्षु शामिल हुए. जिसमे 162 प्रशिक्षुओं को चयनित कर नियुक्ति पत्र दिया गया. सभी प्रशिक्षित उम्मीदवार को सर्टिफिकेट दिया गया. मुख्यातिथि ने मुख्यमंत्री सारथी योजना की जानकारी देते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार व स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम का समापन सेंटर मैनेजर राहुल कुमार के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ.

नवी मुंबई में 2.7 लाख रुपये मूल्य की 'हाइड्रो' गांजा बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार

अजीज बाराबकवी जैसे शायर के शायरों शेरों-शायरी करने लगे। इसी दौरान विनय उर्दू में संपूर्ण रामायण अब तक नहीं लिखी। किसी शायर ने कोई खंड लिखा तो किसी ने कुछ हिस्सा, लेकिन पूरी रामायण किसी ने नहीं लिखी थी। यहाँ से विनय के मन में यह सपना पनपा कि वे रामायण को उर्दू शायरी के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

विनय ने बताया कि उन्होंने रामायण का अनुवाद नहीं, बल्कि भावानुवाद किया है, जिसमें भावों को शेरों-शायरी के अंदाज़ में पेश किया गया है। उनकी लिखी 'विनय रामायण' 500 पन्नों की है, जिसमें 24 खंड और करीब 7,000 शेर हैं।

महाराष्ट्र के नवी मुंबई इलाके में पुलिस ने 23 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर उसका पता से 2.78 लाख रुपये एक का 'हाइड्रो' गांजा बरामद किया। पुलिस अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 'हाइड्रोपोनिक्स' जल-आधारित खनिज पोषक धोलों का उपयोग करके कृत्रिम वातावरण में मिट्टी के बिना की जाने वाली खेती का एक प्रकार है। इसी प्रक्रिया से हाइड्रो गांजे को उपज तैयार की जाती है। पुलिस गश्ती दल ने मौलवार तड़के वाशी क्षेत्र में जुड़ पुल के नीचे एक स्कूटर पर दो व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में घूमते देखा। वाशी पुलिस थाने के अधिकारी के अनुसार, पुलिस

ने उन्हें रोका और वाहन को तलाशीशो करने ली जिसे दौरान स्कूटर की डिवकी से हाइड्रो गांजा मिला। उन्होंने बताया इनमें से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि दूसरा मौके से फरार हो गया। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधिपद्धत एवं मन-अशुभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया पुलिस अब इस बात का तला लगावे की कोशिश कर रही है कि बरामद मादक पदार्थ कहां से लाया गया था।

परिवार कल्याण, लोक निर्माण और सामान्य प्रशासन विभागों के पांच प्रस्तावों को मंजूरी दी। आहुजा ने कहा कि राज्य ने कुत्रिम मेधा (एआई) की परिवर्तनकारी संभावनाओं को अपनाते की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। नई नीति शासन में सुधार, नवोन्मेष को बढ़ावा देने, डेटा-आधारित नीति निर्धारण को सशक्त करने और समावेशी सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेगी। यह नीति उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग क्षमता को सुलभ कराने, बड़े आंकड़ों तक पहुंच सुनिश्चित करने, डीजल-अकादमिक सहयोग को प्रोत्साहित करने और सतत एवं हरित एआई तैयारी के लिए रणनीतिक ढांचा प्रदान करेगी।

तेलंगाना। तेलंगाना के हैदराबाद में एक राजस्व निरीक्षक (आरआई) ने कश्मिश तौर पर एक व्यक्ति से पारिवारिक प्रमाण पत्र जारी करने के लिए 1 लाख रुपये की मांग की। पीडित की शिकायत के आधार पर, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने छाप्रा मारा और मुर्शाराबाद में तहसीलदार को कार्यालय में भूपाल हथेली, आरआई को आंशिक भुगतान के रूप में 25,000 रुपये लेते हुए रंग हाथों पकड़ा। मामले की जांच अभी चल रही है और आरोपी को हैदराबाद के नामपल्ली में स्थित हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायालय में विशेष पुलिस स्थापना (एसपीई) और एसबी मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश होना है।

जारी कर सकती है। उम्मीद है कि शुक्रवार सुबह भारत के मुख्य-न्यायाधीश भूषण आर गवई इन जजों को रायथ दिलाएंगे। निवृत्तियों से संबंधित फाइलें बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास पहुंचीं और अब उन्हें मंजूरी मिल गई है। उम्मीद है कि केंद्रीय कानून मंत्रालय जल्द ही आपराधिक अधिसूचना जारी करेगा, जिससे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा शुरू की गई प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

हाल-न्यायापालिका में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है, जो कॉलेजियम की सिफारिश के तीन दिन बाद आया है। इस त्वरित कार्रवाई को संतोषार्थक गवर्नर के कार्यकाल की सकारात्मक शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में पदभार संभाला था। पदेनक्ति के लिए निर्धारित तीन न्यायाधीश हैं: न्यायमूर्ति एनबी अंजारिया, कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जिनका मूल हाई कोर्ट गुजरात है; विजय बिश्नोई, गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश, जिनका मूल उच्च न्यायालय राजस्थान है, और न्यायमूर्ति एएस चंद्रकर, बंबई हाई कोर्ट के न्यायाधीश। उनकी नियुक्तियों के साथ, सुप्रीम कोर्ट अपने स्वीकृत 34 न्यायाधीशों की संख्या तक पहुँच जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम
 बंगाल के अलीपुरद्वार में एक
 जनसभा को संबोधित करते हुए
 तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी)
 सरकार पर जमकर निशाना
 साधा। उन्होंने टीएमसी
 को 'निर्मम सरकार' करार
 देते हुए कहा कि यह
 सरकार गरीबों
 और आम
 लोगों के हितों
 के खिलाफ
 काम कर
 रही है।
 पीएम मोदी
 ने यहां मंच
 से कहा
 कि बंगाल
 की जनता
 कह रही है
 कि 'मची है
 चीख पुकार,
 नहीं चाहिए
 निर्मम सरकार'
 पीएम मोदी ने
 मुर्शिदाबाद और
 मालदा की घटनाओं
 का जिक्र करते हुए
 टीएमसी सरकार के
 समय में प्रदेश की
 कानून-व्यवस्था को
 लेकर सवाल उठाए।
 जनसभा के दौरान मंच



पीएम मोदी ने अल्लोपुराग्र और
 कूचबिहार में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन
 प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी
 इस परियोजना से 2.5 लाख से
 अधिक घरों में पाइपलाइन के
 जरिए सस्ती और सुरक्षित गैस
 आपूर्ति होगी। इससे न केवल
 सिलेंडर खरीदने की परेशानी
 खत्म होगी, बल्कि परिवारों
 को स्वच्छ ऊर्जा भी
 मिलेगी। पीएम
 ने इसे सरकार
 की डोरस्टेप
 डिलीवरी का
 उदाहरण
 बताया।
 आयुष्मान
 योजना का
 जिक्र करते
 हुए पीएम
 मोदी ने कहा
 कि केंद्र सरकार
 की आयुष्मान
 भारत योजना के
 तहत देशभर में
 करोड़ों लोगों
 को मुफ्त
 इलाज
 मिल
 रहा है, जिसमें 70
 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग
 भी शामिल हैं। लेकिन पश्चिम
 बंगाल में टीएमसी सरकार ने इस
 योजना को लागू नहीं होने दिया,
 जिसके कारण राज्य के लोग
 इस लाभ से वंचित हैं।

की ताकत को एहसास करा दिया। पश्चिम बंगाल के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राज्य व्यापक हिंसा, अराजकता, महिलाओं में असुरक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से ग्रस्त है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी की स्वार्थी राजनीति गरीब लोगों को उनके वारिष्ठ अधिकारों से वंचित कर रही है। पाकिस्तान यह समझ ले कि हमने तीन बार उसके घर में घुसकर मारा है। उसे पता होना चाहिए कि अभी आपरेशन सिल्वर स्ट्रूम नहीं हुआ है। भारत अब चुनकुण्ड आतंकवादियों को खत्म करना जानता है। पीएम मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा परिणाम युवा और गरीब परिवार भुगतते हैं। हमने देखा कि शिक्षक भर्ती घोटाले में भ्रष्टाचार कैसे सब कुछ बर्बाद कर देता है। टीएमसी सरकार ने अपने कार्यकर्ताओं में हजारों शिक्षकों के भविष्य और परिवारों को बर्बाद कर दिया और उनके बच्चों को संभारना छोड़ दिया... पश्चिम बंगाल की पूरी शिक्षा व्यवस्था बर्बाद हो रही है। शिक्षकों की अनुपस्थिति ने लाखों छात्रों के भविष्य को खतरे में डाल दिया है। टीएमसी नेताओं ने इतना बड़ा पाप किया है। दब तो यह है कि आज भी ये लोग अपनी नीतिगत मानने को तैयार नहीं हैं। इसके बजाय ये अदालतों को दोषी ठहराते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि मुहिदाबाद और मालदा में जो कुछ भी हुआ, वह यहां की सरकार की निर्ममता का उदाहरण है... तृष्णिका के नाम पर गुंडगर्दी को खुली छूट दी गई। कल्पना कीर्जिफ कि जब सरकार चलाने वाली पार्टी के लोग लोगों के घरों की पहचान करते उन्हें जला दें और पुलिस मरुदश बनी रहे, तो स्थिति कितनी भयावह होगी। मैं बंगाल के गरीब लोगों से इफ्तदा हूँ, क्या सरकार ऐसे चलती है?... यहां दर मुद्दे पर अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ता है।

भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बिहार में जन्म लेने वाली सिंदूरी बेटी को विदिशा, मध्यप्रदेश से भेजे गए कपड़े का पार्सल पहुंच चुका है। 29 मई 2025 को बेटी के घर कपड़े का पार्सल पोस्टमैन द्वारा सौंपा गया। मध्यप्रदेश से बिहार तक कपड़े पहुंचने पर परिवार वाले खुश हैं। बेटी के पिताजी संतोष मंडल ने मोबाइल को जिन दिशा, मध्यप्रदेश की विदिशियों को जीने दो टीएम के चित्रा-दीपसिंह कुशवाह को धन्यवाद दिया।



मुंबई। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने लंदन और पेरले स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएससी) में भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े के मामले में गुरुवार को वे लोगो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी आरोपियों में एक जुनियर पासपोर्ट असिस्टेंट (सत्यापन अधिकारी) और एक निजी एजेंट शामिल हैं। दोनों पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट जारी करने और रिश्वत लेने का आरोप है। सीबीआई के अनुसार यह मामला 2023-2024 के दौरान सामने आया, जहां पासपोर्ट सेवा केंद्रों के कार्यालय सहायक और कुछ निजी एजेंटों ने मिलकर अपराधिक साजिश रची। इस साजिश के तहत उन्होंने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई लोगों को पासपोर्ट जारी किया। जांच में पता चल कि सात अज्ञात व्यक्तिओं ने फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता विवरण और जन्म प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज पास किए थे। फर्जी अलावा पासपोर्ट आवेदनों में दिए गए मोबाइल नंबर भी बंद या अमान्य पाए गए।

कर्नाटक हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के अक्टूबर 2024 के उस फैसले को खारिज कर दिया जिसमें 2022 के पुराने हुक्मी दंगों से जुड़े 43 अपराधियों का मामला वापस लेने का आदेश दिया गया था। इन मामलों में विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता, प्रयत्नशील और अन्य प्रभावशाली व्यक्ति शामिल थे। हाई कोर्ट ने फैसले को सरकार के द्वारा जारी की गई नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें 10 अक्टूबर को मामले वापस लेने का आदेश दिया था। इस फैसले को अधिवक्ता गिरिश भारद्वाज द्वारा दावेर एक जर्नलिस्ट याचिका (पीआईएल) के माध्यम से चुनौती दी गई थी, जिन्होंने इस कदम की वैधता पर सवाल उठाया था। मुख्य न्यायाधीश एनबी अनंजनायकर ने और न्यायमूर्ति केवी अरविंद की अध्यक्षता वाली ली और सरकार की कार्रवाई पर गंभीरी

चिन्ता व्यक्त की। अपने फैसले में अदालत ने वापसी के आदेश को गैरकानूनी घोषित किया और 15 अक्टूबर, 2024 को अनुयायी सरकारों अधिसूचना को भी रद्द कर दिया। यह फैसला कनाडाई सरकार को इन झूठे-प्रोफाइल आपराधिक मामलों को वापस लेने से रोकता है। विपक्ष ने भाषणा ने पहली हबली दंगों के मामले को वापस लेने के कर्नाट के कदम व



आलोचना की थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि कांग्रेस सरकार मुस्लिम समुदाय व खुश कर रही है। विपक्ष के उपमन्त्री अरविंद बेलाड ने फैसले की आलोचना करते हुए कहा, “ये वे लोग जिन्होंने पुलिस स्टेशन और पुलिस पर हमला किया। उन्होंने पुलिस को जिंदा जलाकर कोशिश की। लेकिन कांग्रेस सरकार मुस्लिम समुदाय और अल्पसंख्यक वोटों को खुश करने के लिए ऐसा कर रही है। यह कांग्रेस की नीति है।”

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार की दो दिवसीय यात्रा पर पटना आने वाले हैं। पीएम मोदी के बिहार आगमन को लेकर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह है। पीएम

हैं, सभी पीपम मोदी को 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए अखिलाफ दे रहे हैं। आंकवाद के खिलाफ देश में ऑपरेशन कभी नहीं हुआ था। आज पीपम मोदी बिहार पठान रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार में डबल इंजन व सरकार है। पीपम मोदी बिहार के विकास में लिए आते हैं। उनका मानना है कि बिहार के विकासित हुए बिना भारत विकासित नहीं होगा। जब बिहार में डबल इंजन की सरकार है तो प्रदेश में विकास हो रहा है। पीपम मोदी यह कहें कि योजनाओं की सौगातें देंगे। इसी को तो विकास कहते हैं। उन्होंने कहा कि पहले बस्तर जायें चार-पांच घंटे लगते थे, अब चार घंटे लोग चले जा रहे हैं।



चेल्सी ने यूएफा कॉन्फ्रेंस लीग जीतकर यूरोपीय क्लब ट्रॉफियों का सेट पूरा किया

बीबीएल-15 के लिए जेमी ओवरटन का एडिलेड स्ट्राइकर्स से करार

एडिलेड। बिग बैश लीग-15 के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स ने प्री-ड्राफ्ट साइनिंग का ऐलान किया है। फ्रैंचाइजी ने लगातार तीसरे सीजन इंग्लैंड के फास्ट-बॉलिंग ऑलराउंडर जेमी ओवरटन को अपने साथ रखा है। एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए बीबीएल-14 चुनौतीपूर्ण रहा था, इसके बावजूद ओवरटन ने शानदार प्रदर्शन किया। इस खिलाड़ी ने बीते सीजन 11 विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने एडिलेड ओवल में होबार्ट हरिकेस के खिलाफ कठिन मुकाबले में 27 रन देकर 2 विकेट झटके थे। जेमी ओवरटन का योगदान सिर्फ गेंदबाजी तक ही सीमित नहीं था, उन्होंने बल्ले से भी जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 95.40 की असाधारण औसत से 191 रन बनाए। उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 45 रन रहा। ओवरटन ने एक बयान में कहा, “मैं एक और सीजन के लिए एडिलेड में वापस आकर बेहद रोमांचित हूँ। मुझे स्ट्राइकर्स के साथ बिताया समय और एडिलेड ओवल में फैंस से मिलने वाला सपोर्ट बहुत पसंद आया। यह एक शानदार क्लब है, जिसमें कई बेहतरीन खिलाड़ी हैं।” जेमी ओवरटन ने बीबीएल में अब तक कुल 18 मैच खेले हैं, जिसमें 8.82 की इकॉनमी के साथ कुल 27 विकेट अपने नाम किए। जेमी बल्ले से एक बेहतरीन फिनिशर रहे हैं। उन्होंने 150.82 की स्ट्राइक रेट के साथ 276 रन जड़े हैं। इस दौरान उनका औसत 69 रहा है। एडिलेड स्ट्राइकर्स के हेड कोच टिम पेन ने बीबीएल 15 के लिए जेमी को फिर से साइन करने को एक जरूरी कदम बताया है।

सिंगापुर ओपन: सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और सिंधु बाहर



महिला युगल में रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का मुकाबला खेला जाना है

एजेंसी। सिंगापुर

भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकरेड्डी और चिराग शेठ्टी ने सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। वहीं दूसरी ओर एचएस प्रणय और पीवी सिंधु गुरुवार को राउंड ऑफ 16 में हारकर बाहर हो गए। बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में सात्विक-चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी की। इस भारतीय जोड़ी ने इंडोनेशिया के सबर कार्यमन गुटामा और मुहम्मद रेजा पहलवी इस्फहानी को 19-21, 21-16,

21-18 से शिकस्त दी। ये मुकाबला एक घंटे और 14 मिनट तक चला। भारतीय जोड़ी अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 और दूसरी वरीयता प्राप्त मलेशियाई जोड़ी गोह सेज फी और नूर इजुद्दीन से भिड़ेगी। पुरुष एकल में एचएस प्रणय को फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। प्रणय 42 मिनट तक चले मैच को 16-21, 14-21 से गंवा बैठे। महिला एकल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु भी चीन की चेन यूफेई से 9-21, 21-18, 16-21 से हारकर दूसरे दौर में बाहर हो गईं।

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट भारत का करेगी दौरा

एजेंसी। मुंबई

ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम सितंबर में भारत का दौरा करेगी, जिसकी पुष्टि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को कर दी। इस दौरान भारत-ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेली जाएगी, जिसे महिला वनडे वर्ल्ड कप से पहले महत्वपूर्ण तैयारी माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच सीरीज का



पहला वनडे 14 सितंबर को खेला जाएगा, जिसके बाद दूसरा और तीसरा मुकाबला क्रमशः 17 और 20 सितंबर को आयोजित होगा। चेन्नई का एमए विदर्भकर स्टेडियम सीरीज के सभी तीनों मैचों की

बेंगलुरु में एक्सेल का एआई समिट भारत की उभरती वैश्विक ताकत को दिखाएगा



बेंगलुरु। ग्लोबल वेंचर कैपिटल फर्म एक्सेल ने गुरुवार को कहा कि कंपनी 4 जून को बेंगलुरु में अपने फ्लैगशिप एआई समिट के दूसरे एडिशन की मेजबानी करेगी, जिसमें भारत और अन्य देशों से एआई में दक्ष लोग शामिल होंगे। यह एक इन्वाइट-ओनली एक्सक्लूसिव इवेंट है, जिसकी थीम ‘इंजीनियरिंग इंडियाय एआई एडवांटेज’ रखी गई है। इस इवेंट में लीडिंग एआई फाउंडर्स, रिसर्चर्स, टेक सीएक्सओ, पॉलिसीमेकर्स और ग्लोबल इन्वेस्टर्स एक साथ मंच पर आएंगे। इस इवेंट का उद्देश्य नए विचारों, पार्टनरशिप और फ्रेमवर्क को बैटेलिस्ट करना है, जो ग्लोबल एआई लैंडस्केप को आकार देने में भारत की निर्णायक भूमिका बढ़ाने में मददगार होंगे। नैसर्काफ के अनुसार, भारत का एआई बाजार 2027 तक 17 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 25 प्रतिशत से अधिक सीएजीआर की दर से बढ़ रहा है। ग्रुपिक डेटा एडवांटेज और वर्टिकल एआई स्टार्टअप्स के बढ़ते बेस के साथ भारतीय इन्वैशन हेल्थकेयर, फिन्टेक और रिटेल सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। एक्सेल के पार्टनर प्रयांक स्वरूप ने कहा, “भारत का एआई इकोसिस्टम तेजी से विकसित हो रहा है, जिसमें एप्लिकेशन-लेयर एआई अब उद्यमों को वास्तविक मूल्य प्रदान कर रहा है।” उन्होंने कहा, “फाउंडर्स, भारत के डेटा एडवांटेज का लाभ उठाकर अलग-अलग डोमेन-स्पेसिफिक मॉडल बना रहे हैं। यह समिट उस गति को उजागर करने और भारत से वैश्विक एआई कंपनियों को आगे बढ़ाने के लिए फ्रेमवर्क बनाने को लेकर है।

अप्रैल में भारत में कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर्स की संख्या बढ़कर 1,203.84 मिलियन हुई

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के टेलीकॉम सब्सक्रिप्शन डेटा के अनुसार, भारत में कुल टेलीफोन सब्सक्राइबर्स की संख्या मार्च के अंत में 1,200.80 मिलियन से बढ़कर अप्रैल में 1,203.84 मिलियन हो गई, जो मासिक आधार पर 0.25 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। शहरी टेलीफोन सब्सक्राइबर्स की संख्या मार्च के अंत में 666.11 मिलियन से बढ़कर अप्रैल के अंत में 667.19 मिलियन हो गई। इसी अवधि के दौरान ग्रामीण सब्सक्राइबर्स की संख्या भी 534.69 मिलियन से बढ़कर 536.65 मिलियन हो गई। संचार मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल के दौरान शहरी और ग्रामीण टेलीफोन सब्सक्राइबर्स की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.16 प्रतिशत और 0.37 प्रतिशत थी।

विकसित भारत के लिए देश में बढ़ानी होगी श्रम उत्पादकता : सुमन बेरी

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग के वाइस चेयरमैन सुमन बेरी ने गुरुवार को कहा कि श्रम उत्पादकता में निरंतर वृद्धि विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए जरूरी है। राष्ट्रीय राजधानी में सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में अपने संबोधन में बेरी ने कहा कि श्रम उत्पादकता बढ़ने से अप्रयुक्त क्षमता का लाभ उठाकर और श्रम गतिविधि को बढ़ाकर उच्च मूल्य संवर्धन होगा। इससे आय बढ़ने, देश के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और बेजोड़ जनसांख्यिकी की क्षमता का फायदा उठाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत में श्रम उत्पादकता में अपेक्षित गति



से सुधार नहीं हो रहा है। क्रय शक्ति समता में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार अमेरिका के आकार का आधा है, जबकि श्रम शक्ति का आकार अमेरिका के आकार का तीन गुना है। हमारा उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विकास को उच्च स्तर पर ले जाने के लिए श्रम शक्ति का लाभ उठाना और बेहतर रोजगार पैदा करना

यूनिफाइड डाटा टेक की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। बैंकिंग और फाइनेंस सेक्टर को आईटी सर्विस देने वाली कंपनी यूनीफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज प्रीमियम लिस्टिंग और बाद में अपर सर्किट लेवल तक पहुंच कर आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 273 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एस्पएसई प्लेटफॉर्म पर इसकी एंट्री 4.40 प्रतिशत लिस्टिंग गेन के साथ 285 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद विक्रवाली का दबाव बन जाने से ये शेयर कुछ देर तक गिरावट का शिकार होकर इश्यू प्राइस

से नीचे 272.50 रुपये के स्तर पर भी कारोबार करता रहा, लेकिन ये दबाव अधिक देर तक कायम नहीं रहा। दोपहर 12 बजे के पहले ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण दोपहर दो बजे तक ये शेयर 299.25 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक आ गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 9.62 प्रतिशत का मुनाफा हो गया। यूनीफाइड डाटा टेक सॉल्यूशंस का 144.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 22 से 26 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिसांस मिला था, जिसके कारण ये ओवरअल्ट 91.12 गुना सब्सक्राइब हो गया था।



पंजाब को हराकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फाइनल में



एजेंसी

नई दिल्ली। 2016 के बाद आखिरकार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल फाइनल में जगह बनाने में सफल हो ही गईं। आरसीबी 2017 से लेकर 2024 तक चार बार प्लेऑफ में पहुंची थी लेकिन आगे जा नहीं पाई थी लेकिन इस बाद मुल्लांपुर के मैदान पर पंजाब किंग्स के खिलाफ क्वालिफायर 1 को जीतते ही उन्होंने यह रिकॉर्ड बना दिया। रोचक मुकाबले में पहले

खेलेते हुए पंजाब टीम सिर्फ 101 रन ही बना पाई थी। आरसीबी के सुयश शर्मा और जोश हेजलवुड ने तीन-तीन विकेट ली। जवाब में खेलने उतरी आरसीबी के लिए यह मुकाबला आसान रहा। विराट कोहली 12 तो मर्यक अग्रवाल 19 रन बनाकर आउट हुए लेकिन फिल सॉल्ट ने अर्धशतक बनाकर अपनी टीम को 8 विकेट से जीत दिला दी। अब आरसीबी फाइनल मुकाबले में क्वालिफायर 2 के विजेता के साथ भिड़ेगी।

अब क्या होगा पंजाब किंग्स का ?

पंजाब किंग्स अभी फाइनल की रस से बाहर नहीं हुई है। अंक तालिका में टॉप करने के चलते उन्हें अब क्वालिफायर 2 खेलने का मौका मिलेगा? जोकि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। इस मैच में पंजाब की विरोधी टीम वो होगी जोकि गुजरात टाइटन्स बनाम मुंबई इंडियंस के एलिमिनेटर मुकाबले में जीतेगी। क्वालिफायर 2 जीतने वाली टीम फाइनल में आरसीबी के खिलाफ अहमदाबाद के मैदान पर ही तीन जून को भिड़ेगी। **पंजाब किंग्स : 101-10 (14.1 ओवर)** पंजाब की शुरुआत खराब रही। प्रियांश आर्य के रूप में दूसरे ही ओवर में टीम को पहला झटका लगा जब यश दयाल ने उन्हें कुणाल के हाथों कैच आउट करवा दिया। इसके बाद प्रभसिंमरन सिंह (18) ने 2 चौके लगाए लेकिन तीसरे ही ओवर में वह भुवी का शिकार हो गए। कप्तान श्रेयस अय्यर रन गति बढ़ाने के चक्कर में चौथे ही ओवर में केवल 2 रन बनाकर आउट हो गए। जोश इंग्लिस को हेजलवुड ने निशाना बनाया इससे पंजाब का स्कोर पावरप्ले के अंदर ही 38 रन पर 4 विकेट हो गया। नेहल वडेहरा (8) ने आते ही एक शॉट लगाया लेकिन जल्दी ही वह यश दयाल का शिकार हो गए। इसके बाद शांशांक सिंह महज 3 रन बनाकर सुयश शर्मा का शिकार हो गए। सुयश ने इसके बाद मुशीर खान की भी विकेट निकाल दी जिससे पंजाब के 60 रन पर 7 विकेट हो गए। सेट बल्लेबाज स्टोडिनस 17 गेंदों पर 26 रन बनाकर सुयश का ही शिकार हुए। यह उनकी तीसरी विकेट रही। हरप्रीत बराड़ चार रन बनाकर रोमारियो शेफर्ड और उमरजजई 18 रन बनाकर हेजलवुड का शिकार हो गए। सुयश और हेजलवुड ने मिलकर 3-3 विकेट लीं।

स्वीयाटेक ने राडुकानू को दूसरे राउंड में किया बाहर

एजेंसी। पेरिस

एम्मा राडुकानू का विश्व की नंबर 1 इगा स्वीयाटेक के खिलाफ संघर्ष रौलां गैरो की लाल बजरी पर जारी रहा, क्योंकि ब्रिटिश नंबर दो को बुधवार को दूसरे दौर के मुकाबले में 6-1, 6-2 से करारी हार का सामना करना पड़ा। यह राडुकानू की गत चैंपियन से लगातार पांचवीं हार थी, जिसने एक बार फिर 2021 यूएस ओपन विजेता

और महिला खेल के एलीट वर्ग के बीच अंतर को उजागर किया। मैच की शुरुआत राडुकानू के लिए उम्मीद की किरण के साथ हुई क्योंकि उसने दूसरे गेम में ब्रेक प व। ई ट अर्जित किया।



लेकिन एक बार जब स्वीयाटेक ने सर्विस को बनाए रखा, तो उनका खेल बदल गया। चार बार की रौलां गैरो चैंपियन और व्यापक रूप से 'क्वीन ऑफ क्ले' के रूप में मानी जाने वाली पोल ने पहले सेट के बाकी हिस्सों में राडुकानू की दूसरी सर्विस का फायदा उठाया और दोनों विंग से गलतियां करवाईं।

गेहूं की तरह बोएं धान, कम होगी लागत, उपज भी होगी बराबर

लखनऊ। किसानों की आय बढ़ाना डबल इंजन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसे बढ़ाने का सबसे प्रभावी जरिया है, कम लागत में अधिक उपज। केंद्र सरकार इसी मकसद से 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' शुरू कर रही है। उम्मीद है कि इस देशव्यापी अभियान का लाभ खरीफ के मौजूदा सीजन में ही मिलेगा। योगी सरकार भी इस अभियान को सफल बनाने के लिए जी-जान से जुट गई है। उल्लेखनीय है कि खरीफ की मुख्य फसल धान है। नर्सरी में तैयार पौधों को कुशलता से निकालना, इनकी रोपाई के लिए खेत की तैयारी, फसल संरक्षण के उपायों से लेकर फसल की कटाई और मड़ाई तक का काम काफी श्रमसाध्य है। स्वाभाविक है कि इस सबमें अच्छी खासी लागत आती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग और नेशनल सेमीकंडक्टर मिशन सही दिशा में उठाए गए कदम : सुनील मितल



उन्होंने कहा, “भारत का युवा और ऊर्जावान वर्कफोर्स विकसित दुनिया के लिए एक परिसंपत्ति हो सकता है, लेकिन उद्योग और सरकार को इस टैलेंट पूल को भविष्य में नौकरी के लिए तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए।” सुनील

मितल ने कहा, “भारत में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) का तेजी से विकास इसका एक स्पष्ट संकेत है।” रिसर्च और डेवलपमेंट फ्रंट पर देश को इन्वैशन के साथ-साथ डीप साईटिफिक रिसर्च में अपने निवेश को बढ़ाने की आवश्यकता है तथा उद्योग को इसमें अग्रणी भूमिका निभाने की जरूरत है। मितल ने कहा कि आएरएंडडी में सार्वजनिक-निजी भागीदारी भारत में मशीनप्लार इफेक्ट पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, “हमें उद्देश्य-संचालित उत्पाद और सेवाएं बनाने तथा अधिक वैल्यू एडिशन के साथ निर्यात पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अगले 10 वर्षों में, सही निवेश के

साथ, हम एक बड़ा परिवर्तन देख सकते हैं, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर में, जो इण्नीतिक रूप से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।” उन्होंने पूर्वोत्तर राय्यों का उदाहरण भी दिया, जो तेल और गैस भंडारों से समृद्ध हैं, जिनका अभी तक पूरी तरह से दोहन नहीं हुआ है। मितल ने आगे कहा कि सरकारी नीतियों को उद्योग की भागीदारी के साथ मिलकर बनाया जाना चाहिए तथा सीआईआई जैसे निकायों को सरकार के साथ मिलकर काम करना चाहिए। उद्योगपति ने यह भी बताया कि मजबूत इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग और नेशनल सेमीकंडक्टर मिशन सही दिशा में उठाए गए कदम हैं।



दक्षिण कोरियाई नौसेना का गश्ती विमान देश के दक्षिणी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त



सियोल । दक्षिण कोरियाई नौसेना का एक विमान बृहस्पतिवार को एक प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान में चार लोग सवार थे, लेकिन यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका कि दुर्घटना में कोई हताहत हुआ है या नहीं। नौसेना ने यह जानकारी दी। नौसेना ने एक बयान में कहा कि यह गश्ती विमान दक्षिण-पूर्वी शहर पोहांग स्थित अपने बेस से दोपहर एक बजकर 43 मिनट पर रवाना हुआ था, लेकिन अज्ञात कारण से यह जमीन पर गिर गया। बयान में कहा गया है कि नौसेना विमान में सवार चारों लोगों की स्थिति और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। पोहांग स्थित एक आपातकालीन कार्यालय ने बताया कि स्थानीय निवासियों से एक उड़ती हुई वस्तु के गिरने और धमाके की आवाज की सूचना मिलने के बाद मौके पर बचावकर्मियों और दमकल गाड़ियों को भेजा गया था। पोहांग के नामबु पुलिस थाने ने पुष्टि की कि नौसेना का एक गश्ती विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ है, लेकिन यह तत्काल स्पष्ट नहीं हो पाया कि इसमें कोई मौत या घायल हुई है या नहीं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल को मिला कूटनीतिक सहयोग : संजय झा



जकार्ता (आईएनएस)। जनता दल यूनाइटेड (जेदयू) नेता संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल इंडोनेशिया दौरे पर है। संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को इंडोनेशिया के विचारकों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की।सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जदयू सांसद संजय कुमार झा ने आईएनएस से बातचीत में कहा, “हमने आसियान के महासचिव से मुलाकात की। हम यहां के उप विदेश मंत्री और स्थानीय थिंक टैंक के प्रतिनिधियों से भी मिले। हमें बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इंडोनेशिया एक बहुसांस्कृतिक समाज है, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, लेकिन भारत के रुख को लेकर यहां बहुत समान है। हाल में भारत पर हुए हमले की यहां के राष्ट्रपति ने निंदा की थी।

अमरनाथ यात्रा चुनौतीपूर्ण रहेगी लेकिन सभी इंतजाम किए जाएंगे : उमर अब्दुल्ला



श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद इस साल वार्षिक अमरनाथ यात्रा का आयोजन एक चुनौती होगी, लेकिन यात्रा के सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के कामकाज का आकलन करने के लिए गुलमर्ग में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें आपातकालीन तैयारियों, पर्यटकों की सुरक्षा, खेल और साहसिक पर्यटन, मोबाइल कनेक्टिविटी तथा स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में कार्यों की समीक्षा की गई। आगामी धार्मिक पर्वों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि मेला खीर भवानी, ईद, मुहर्रम और अमरनाथ यात्रा जैसे आगामी धार्मिक आयोजनों पर चर्चा करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि इस वर्ष की यात्रा विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी।

अभिनेत्री काजोल की अगली फिल्म ‘माँ’ का ट्रेलर रिलीज़ हो गया है, जिसमें वह अपनी बेटी को राक्षसों से बचाती नज़र आ रही हैं। काजोल फिल्म ‘माँ’ से हॉरर फिल्मों में डेब्यू कर रही हैं। ट्रेलर काफी दमदार है। इसकी शुरुआत काजोल से होती है, जबकि उनकी बेटी कार चला रही होती है। बाद में, माँ और बेटी एक अनजान जगह पर पहुंचती हैं, जहां उन्हें एक असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। जहां ‘शैतान’ में हमने अजय को अपनी ऑन-स्क्रीन बेटी को आर माधवन से बचाते हुए देखा था, वहीं यहाँ काजोल अपनी बेटी को एक पेड़ पर रहने वाले एक अनजान राक्षस से बचाती नज़र आ रही हैं।



कहानी फिल्म जगत की

शोपियां में बड़ी कामयाबी शोपियां में दो हाइब्रिड आतंकी हथियारों के साथ गिरफ्तार

श्रीनगर (आईएनएस)

पुलिस ने गुरुवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में हथियार और गोला-बारूद के साथ दो हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने कहा कि शोपियां जिले के बसकुचन इमाम साहिब इलाके में सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स, पुलिस और सीआरपीएफ की 178 बटालियन ने मिलकर ये आतंकवादी पकड़े। पुलिस ने बताया, “गिरफ्तार आतंकवादियों के पास से दो 56 राइफलें, 4 एके मैगजीन, 102 एके राउंड और 2 हैंड ग्रेनेड बरामद हुए हैं। इनके खिलाफ कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सेना, पुलिस और सीआरपीएफ ने पहलगाम आतंकी हिंसा के बाद अपने अभियान को और तेज कर दिया है। 22 अप्रैल को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के समर्थन वाले आतंकवादी समूह ने बैसरन घाटी में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय टट्टू मालिक सहित कुल 26 निर्दोष लोगों को मार दिया था। स्थानीय टट्टू मालिक सैयद आदिल हुसैन



की भी हत्या कर दी गई। उसने आतंकवादियों से बहस करने के बाद एक आतंकवादी से राइफल छीनने की कोशिश की थी। निर्दोष लोगों की हत्या का बदला लेने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इसके जरिए लाहौर के पास मुरीदके, बहावलपुर और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के कोटली और मुजफ्फराबाद में आतंकवादियों के ठिकानों पर सटीक हमले कर उन्हें बर्बाद कर दिया। इसके जवाब में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में नागरिक इलाकों पर

भारी मोर्टार से गोलाबारी की। इस गोलाबारी में 28 नागरिक मारे गए, जिनमें से 13 पुंछ जिले में थे। पुंछ, राजौरी, बारामुल्ला, कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिले भी इस गोलाबारी से प्रभावित हुए।

पुंछ जिले में सबसे ज्यादा नागरिकों की जान गई और बुनियादी ढांचे को नुकसान हुआ। 23 अप्रैल को अपने दौरे के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सेना, सीएपीएफ और पुलिस को आदेश दिया कि वे पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने में कोई कसर न छोड़ें।

बिल से बाहर निकला पहलगाम का मास्टरमाइंड कसूरी, ने कहा- अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर हो गया

श्रीनगर । एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले के पीछे कथित मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) कमांडर सैफुल्लाह कसूरी फिर से सार्वजनिक रूप से सामने आया। उसने एक राजनीतिक रैली में पाकिस्तानी राजनीतिक नेताओं और अन्य वॉलेंट आतंकवादियों के साथ स्टेज शेयर साझा किया। पाकिस्तान के परमाणु परीक्षणों के वार्षिक स्मरणोत्सव यौम-ए-तकबीर के अवसर पर पाकिस्तान मरकज़ी मुस्लिम लीग (पीएमएएलए) द्वारा आयोजित इस रैली में भड़काऊ भाषण और भारत विरोधी नारे लगाए गए। उपस्थित लोगों में लश्कर के संस्थापक हाफिज सईद का बेटा और भारत द्वारा घोषित आतंकवादी तल्हा सईद भी शामिल था। कसूरी ने पंजाब प्रांत के कसूर में आयोजित रैली में कहा कि मुझे पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया गया, अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर है।



एलन मस्क ने छोड़ा ट्रंप प्रशासन का साथ, सलाहकार पद से दिया इस्तीफा

वाशिंगटन (आईएनएस)

एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वरिष्ठ सलाहकार के रूप में अपनी भूमिका से हटने की घोषणा की है, जिससे सरकारी दक्षता विभाग (डीओजी) के साथ विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में उनका कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। टेस्ला और स्पेसएक्स के प्रमुख

और अरबपति उद्यमी एलन मस्क को संघीय नौकरशाही को सुव्यवस्थित करने और बेकार सरकारी खर्च को कम करने के प्रयासों का नेतृत्व करने का काम सौंपा गया था। बुधवार को एक्स पर हुए मस्क ने अपनी बात रखी। उन्होंने सेवा का अवसर देने के लिए आभार जताया। मस्क ने लिखा, “विशेष सरकारी

कर्मचारी के रूप में मेरा निर्धारित कार्यकाल समाप्त हो रहा है, ऐसे में मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सरकारी खर्च को कम करने के लिए अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ।” उन्होंने कहा, “डीओजीई मिशन समय के साथ और मजबूत होता जाएगा। मस्क की यह घोषणा ट्रंप के विधायी एजेंडे की आधारशिला की सार्वजनिक रूप से आलोचना करने के ठीक एक दिन बाद आई है।

सीबीएस के साथ एक साक्षात्कार में टेस्ला के सीईओ मस्क ने ट्रंप की ओर से कहे गए “बड़े सुंदर विधेयक” पर निराशा व्यक्त की, जिसमें व्यापक कर कटौती के साथ-साथ कठोर आव्रजन प्रवर्तन का प्रावधान है। इस विधेयक को “बहुत बड़ा व्यव विधेयक” बताते हुए मस्क ने कहा कि यह उनके विभाग के लक्ष्यों के विपरीत है। उन्होंने कहा, “इससे संघीय घाटा बढ़ता है और डीओजीई का काम कमजोर होता है।

काजोल अपनी बेटी को बचाने के लिए राक्षस से करेंगी लड़ाई

माँ का ट्रेलर : फिल्म के ट्रेलर की शुरुआत काजोल से होती है, जो अपनी बेटी को पीछे की सीट पर चुपचाप बैठाकर कार चला रही होती हैं। जैसे ही दोनों एक अनजान जगह पर पहुँचती हैं, वे जल्द ही खुद को एक अजीबोगरीब स्थिति में पाती हैं। वे एक ऐसे गाँव में पहुँचती हैं जहाँ पिछले चार महीनों से लड़कियाँ गायब हो रही हैं। इस दौरान काजोल अपनी बेटी को एक पेड़ पर रहने वाले राक्षस से बचाती नज़र आती हैं, जिसका नाम है देइस्तो। फिल्म में रोहित रॉय, इंद्रीला सेनगुप्ता, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह और सुर्व शिखा दास भी हैं। काजोल की यह फिल्म एक हॉरर, सुपरनैचुरल ड्रामा है। फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। फिल्म का निर्माण देवगन फिल्मस ने किया है। फिल्म मां 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हिंदी के अलावा यह फिल्म तमिल, तेलुगु और बंगाली भाषाओं में भी रिलीज होगी। फिल्म मां को ‘शैतान’ से जोड़ा जा रहा है। फिल्म ‘शैतान’ में आर माधवन ने निगेटिव रोल निभाया था। इस फिल्म में आर माधवन भी निगेटिव रोल में हैं। हालाँकि, अभी इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म के निर्माता अजय देवगन ने भी कहा है कि इस फिल्म को ‘शैतान’ से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

मोदी और शी जिनिपिंग की ब्राजील में हो सकती है बैठक

न्यूयॉर्क

नई दिल्ली । भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को मिले चीनी सैन्य मदद के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनिपिंग के बीच ब्राजील में मुलाकात हो सकती है। डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई महीने में ब्राजील के रियो डी जनेरियो में दोनों नेताओं की मुलाकात संभव है। रिपोर्ट के मुताबिक 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच मुलाकात की संभावनाओं पर चर्चा है। रिपोर्ट है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर दोनों नेताओं के बीच मुलाकात हो सकती है। हालिया समय में चीन, पाकिस्तान की सैन्य ताकत को लगातार मजबूत कर रहा है और रिपोर्ट्स के मुताबिक उसने पाकिस्तान एयरफोर्स को तेजी से जे-35ए स्टील्थ लड़ाकू विमानों की आपूर्ति करने के लिए प्रोडक्शन को तेज कर दिया है। उसके अलावा चीन ने पाकिस्तान को सैटेलाइट सुविधाओं के साथ साथ पीएल-15 एयर टू एयर मिसाइलें भी सौंपी थी, जिसका पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ इस्तेमाल किया था। माना जा रहा है कि नई दिल्ली का फोकस भारत व चीन के सामान्य होते रिश्तों में पाकिस्तान के मुद्दे को दूर रखने की है। यदि ब्राजील में दोनों नेताओं की बैठक होती है तो पिछले साल 23 अक्टूबर को रूस के कजान शहर में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं की ये दूसरी मुलाकात होगी। पिछले साल कजान शहर से ही भारत व चीन के रिश्तों को सामान्य करने की कोशिशें शुरू हुई थीं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू करने का फैसला लिया था, उस दौरान भारत ने बार बार चीन को अपनी स्थिति से अवगत कराया था। भारत की कोशिश संघर्ष से चीन को दूर रखने की थी लेकिन चीन डिप्लोमैटिक तरीके पाकिस्तान के सैन्य समर्थन में उतरा, पूरा साथ दिया। पहलगाम आतंकी हमले के बाद करीब 3 हफ्ते के तनावपूर्ण घटनाक्रम के दौरान चीन ने पाकिस्तान को “ हर मौसम का साथी” बताते हुए उसके “संप्रभुता और



क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा” में समर्थन देने की बात की। सिर्फ इतना ही नहीं, चीन ने पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट को यूनाइटेड नेशंस में बचाने की कोशिश की, जिसने पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। इसके अलावा बीजिंग ने जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए ‘नरसंहार’ की निष्पक्ष जांच के लिए इस्लामाबाद के आह्वान का भी समर्थन किया था, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। पाकिस्तान ने 7-10 मई को दोनों देशों के बीच झड़प के दौरान भारतीय लक्ष्यों की निशाना बनाने के लिए पीएल-15 मिसाइलें भी दागी थी। इसके अलावा चीन ने पाकिस्तान एयर फोर्स की भारतीय सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए पाकिस्तान को सैटेलाइट मदद भी दी थी हालाँकि अगर इन घटनाओं के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी, शी जिनिपिंग से मिलने का फैसला करते हैं तो उसका मतलब ये होगा कि भारत ब्रिक्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय मंचों को एक बहुपक्षीय सहयोग के अवसर के रूप में देखता है, और ऐसे मंचों पर चीन से बातचीत को रणनीतिक स्थिरता की दिशा में एक कदम मानता है। यही वजह है कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंथीर जायसवाल ने हाल ही में कहा था कि भारत-चीन संबंध “पारस्परिक विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता” पर आधारित होने चाहिए। वहीं, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से कुछ दिन पहले बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार से भी मुलाकात की थी और चीन-पाकिस्तान सुरक्षा साझेदारी को और मजबूत बनाने पर जोर दिया। इस दौरान सीपीईसी 2.0 को लेकर भी दोनों देशों के बीच बातचीत की गई है।

फ्रांस, जर्मनी, यूके और अमेरिका समेत वैश्विक सैन्य नेतृत्व से संवाद करेंगे सीडीएस

नई दिल्ली (आईएनएस)

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान 30 मई से 1 जून तक सिंगापुर की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह अमेरिका और कई यूरोपीय देशों के सैन्य प्रमुखों और संबंधित रक्षा अधिकारियों से महत्वपूर्ण वार्ता करेंगे। सीडीएस जनरल अनिलचौहान एशिया के एक प्रमुख रक्षा सम्मेलन ‘शांगरी-ला डायलॉग 2025’ के 22वें संस्करण में शामिल होने के लिए सिंगापुर जा रहे हैं। इस रक्षा संवाद का आयोजन हर वर्ष इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज यानी आईआईएसएस द्वारा



किया जाता है। अपनी इस यात्रा के दौरान जनरल अनिल चौहान विभिन्न देशों के रक्षा प्रमुखों और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे।

मिठाई बनाओ या डेज़र्ट स्वाद में लगे सब बेस्ट

अमूल दूध पीता है इंडिया